मैं रिश्ते-नाते भूल कर चुद गई-3

"सारिका कँवल मैंने और तड़प कर छटपटाने की कोशिश की, पर उनकी पकड़ इतनी मजबूत थी कि मेरा हिलना भी न के बराबर था। इसके बाद उन्होंने अपना हाथ हटा लिया और फिर एक-एक हाथ से मेरे हाथ पकड़ लिए और अपने लिंग को धीरे-धीरे अन्दर धकेलने लगे। करीब पूरा सुपाड़ा घुस चुका था और [...] ..."

Story By: saarika kanwal (saarika.kanwal)
Posted: शनिवार, अक्टूबर 18th, 2014
Categories: रिश्तों में चुदाई
Online version: मैं रिश्ते-नाते भूल कर चुद गई-3

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैं रिश्ते-नाते भूल कर चुद गई-3

सारिका कँवल

मैंने और तड़प कर छटपटाने की कोशिश की, पर उनकी पकड़ इतनी मजबूत थी कि मेरा हिलना भी न के बराबर था।

इसके बाद उन्होंने अपना हाथ हटा लिया और फिर एक-एक हाथ से मेरे हाथ पकड़ लिए और अपने लिंग को धीरे-धीरे अन्दर धकेलने लगे। करीब पूरा सुपाड़ा घुस चुका था और मुझे हल्का दर्द भी हो रहा था, शायद उनका मोटा था इसलिए या फिर मेरी योनि गीली नहीं थी।

कुछ देर ऐसे ही धकेलने के बाद उन्होंने एक झटका दिया और मेरे मुँह से निकल गया- हाय राम मर गईई…ईई… नहीं.. नहीं.. छोड़ दीजिए.. मैं मर जाऊँगी.. ओह्ह माँ..।

मेरी सांस दो पल के लिए रुक गई थी।

अब तब उन्होंने अपना पूरा वजन मेरे ऊपर डाल दिया और और धीरे-धीरे धक्के देने लगे। शायद उन्हें भी थोड़ी तकलीफ हो रही थी क्योंकि मेरी योनि गीली नहीं थी।

मैंने अपनी आँखें खोलीं और एक बार उनकी तरफ रोते हुए देखा, उन्होंने अपने नीचे वाले होंठ को अपने दांतों से दबा रखा था, जैसे कोई बहुत ताकत लगाने के समय कर लेता है और मुझे धक्के दे रहे थे।

मैं अब भी रो रही थी और उनके धक्कों पर 'आह-आह' करके रोती रही।

करीब 5 मिनट तक हम ऐसे ही ताकत लगाते रहे, वो मुझसे सम्भोग करने के लिए और मैं

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

उनसे अलग होने के लिए। मेरी योनि अब हल्की गीली हो चली थी और पहले जैसा कुछ भी दर्द नहीं हो रहा था, पता नहीं मुझे अब क्या होने लगा था।

शायद मैं हार गई थी इसलिए या अब मेरे पास कोई चारा नहीं था इसलिए मैंने धीरे-धीरे जोर लगाना बंद कर दिया था।
मेरी योनि अब इतनी गीली हो चुकी थी जितने में मैं सम्भोग के लिए तैयार हो जाती थी, मुझे अब उनका लिंग मेरी योनि में अच्छा लगने लगा था।
मैं उनके धक्कों पर अब भी सिसक रही थी, पर यह अब मजे की सिसकारी हो चुकी थी।

मैं अब मस्ती में आ चुकी थी और अचानक मेरे पैर उठ गए और मैं एक-एक पैर को उनकी जाँघों के ऊपर रख पैरों से ही उनकी जाँघों को सहलाने लगी।

उन्होंने अभी भी मेरे हाथों को पकड़ रखा था, तभी मेरी कमर में हरकत हुई जैसे कि मैं खुद को सहज करने के लिए हिला रही हूँ और मैंने अपनी टांगों को उनके कूल्हों पर रख उनको अपनी तरफ खींचा।
मेरी इस हरकत से उन्होंने मेरे हाथ छोड़ दिए और मेरे चूतड़ के नीचे रख मेरे चूतड़ को पकड़ कर अपनी ओर खींचा और अपने लिंग को मेरी योनि में और जोर से घुसेड़ा।

अपने हाथ को आजाद होते ही मैंने उनके गले में हाथ डाल उनको पकड़ लिया और अपने हाथों और पैरों से उन्हें अपनी ओर खींचने लगी।

मेरे दिमाग में अब कुछ भी नहीं था, मैं सब कुछ भूल चुकी थी। अब मुझे कुछ हो रहा था तो बस ये कि मेरी टांगों के बीच कोई मखमली चीज रगड़ रही है। मेरी योनि के अन्दर कोई सख्त और चिकनी चीज़ जो मुझे अजीब सा सुख दे रहा है।

पता नहीं मुझे क्या होने लगा था, मैंने उन्हें अपनी टाँगें खोल बुरी तरह से जकड़ती जा

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

रही थी। उनके सर के बालों को दबोच रखा था, मैं अब मुँह से सांस लेने लगी थी।

मुझे ऐसा लग रहा था, जैसे कोई चीज मेरी योनि से होता हुआ मेरी नाभि में फ़ैलता जा रहा है… कोई तेज़ ध्वनि की तरंग सा।

अब वो मुझे जोरों से धक्के देने लगे थे और मेरे चेहरे के तरफ गौर से देखे जा रहे थे। उनके मुँह से भी तेज़ सांस लेने की आवाजें आ रही थीं।

करीब 20 मिनट हो चुके थे और मैं अपनी चरम सीमा पर थी, मैं इतनी उत्तेजित हो चुकी थी कि अचानक मेरे बदन में एक करेंट सा दौड़ा और मैंने उनको अपनी ओर खींच कर अपने होंठों को उनके होंठों से लगा दिया।
मेरे बदन में सनसनाहट होने लगी और मैंने उनके होंठों और जुबान को चूसना शुरू कर दिया और उन्होंने भी मेरा साथ देना शुरू कर दिया।

करीब एक मिनट मैंने इसी तरह से उनको चूसती हुई झड़ गई, मेरी योनि ने पानी छोड़ दिया था।

वो मुझे अब भी धक्के देकर सम्भोग कर रहे थे मैंने अपनी पकड़ कुछ ढीली की तो वो रुक गए।
मैं समझ गई थी कि वो थक चुके हैं, पर मैं ये नहीं समझी कि उन्होंने मुझसे स्थान बदलने को क्यों नहीं कहा।
शायद उन्हें डर था कि कही मैं फिर से विरोध शुरू न कर दूँ क्योंकि वो भी समझ चुके थे कि मैंने पानी छोड़ दिया है।

वो मेरी तरफ देख रहे थे, पर मुझसे उनसे नजरें नहीं मिलाई जा रही थीं।
वो सिर्फ अपनी कमर को हौले-हौले हिला कर अपने लिंग को मेरी योनि की दीवारों से

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

रगड़ रहे थे।

थोड़ी देर बाद जब उनकी थकान कुछ कम हुई तो उन्होंने अपने हाथों से मेरे कंधों को पकड़ लिया और फिर से धक्के देने लगे।

मुझे महसूस होने लगा था कि मेरी योनि के चारों तरफ झाग सा होने लगा है और लिंग बड़े प्यार से अन्दर-बाहर हो रहा था।
कुछ धक्कों के बाद मेरा जिस्म फिर से गर्म होने लगा और मेरे हाथों ने उनको फिर से पकड़ लिया, मेरी टाँगें खुद उठ गईं और फ़ैल गईं ताकि उनको और आसानी हो।

मेरे साथ यह क्या हो रहा था, खुद मेरी समझ से बाहर था। मैं भूल चुकी थी कि वो मेरे नजदीकी रिश्तेदार हैं।

मैं कुछ सोच पाती कि मैं फिर से झड़ गई और वो भी बस 5 से 7 मिनट के सम्भोग में..
यह निशानी थी कि मैं कितनी गर्म थी और वासना की कैसी आग मेरे अन्दर थी।
करीब 45 मिनट हो चुके थे और मैं 4 बार झड़ चुकी थी मैं अपने कूल्हों के नीचे बिस्तर का गीलापन महसूस कर रही थी।

अब वो धक्के लगाते और रुकते फिर लगाते और रुकते… मैं समझ रही थी कि उनमें और धक्के लगाने की ताकत नहीं बची, पर मैं बस अपनी मस्ती में उनके धक्कों का मजा लेती रही।

फिर अचानक से उनके धक्के तेज़ हो गए उन्होंने एक हाथ मेरे चूतड़ों के नीचे रखा और दबोचते हुए खींचा, दूसरे हाथ से मेरे एक स्तन को पूरी ताकत से पकड़ लिया।

मुझे दर्द तो हुआ पर मैं उस मस्ती में दर्द सब भूल गई और उनके बालों को पकड़ अपनी और खींच होंठों से होंठ लगा चूमने लगी।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

उनका हर धक्का मेरी योनि के अंतिम छोर तक जा रहा था, मुझे अपनी नाभि में महसूस होने लगा था। उन्होंने इसी बीच अपनी जुबान बाहर निकाल दी और मैं उसे चूसते हुए अपने चूतड़ों को उठाने लगी।

वो मुझे धक्के लगाते रहे मैं अपने चूतड़ उठाए रही और एक पल ऐसा आया कि दोनों ने मिल कर जोर लगाया और ऐसा मानो जैसे उनका लिंग मेरी योनि में फंस गया हो।

फिर दोनों के मुँह से मादक सिसकारी निकली- ह्म्मम्म्म..!!

मैंने पानी छोड़ दिया और उन्होंने भी अपना गर्म गाढ़ा वीर्य मेरी योनि की गहराई में उड़ेल दिया।

हम दोनों कुछ देर इसी अवस्था में एक-दूसरे को पकड़े हुए पड़े रहे, फिर धीरे-धीरे हम दोनों की पकड़ ढीली होने लगी।

जब पूरी तरह से सामान्य हुए तो उन्होंने मेरे ऊपर से अपना चेहरा ऊपर किया और मुझे गौर से देखने लगे, मेरे माथे से पसीना गले से होकर बहने लगा था।

मैंने उनको भी देखा उनके माथे पर भी पसीना था। तब उन्होंने मुस्कुरा दिया मैंने शर्म से अपनी नजरें झुका लीं।
वो मेरे ऊपर से हट गए और बगल में लेट गए।

मैंने भी दूसरी और मुँह घुमा कर अपनी आँखें बंद कर लीं।
मैंने न तो कपड़े ठीक करने की सोची और न अपनी योनि साफ़ करने की, बस पता नहीं किस ख्याल में डूब गई।
कहानी जारी रहेगी।
अपने प्यार भरे ईमेल मुझे भेजें।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other stories you may be interested in

मेरी मॉम ने चूत चुदवा ली दूध वाले से

अन्तर्वासना हिंदी सेक्स स्टोरी पढ़ने, पसन्द करने वाले मेरे प्यारे दोस्तो, मेरा नाम रेशमा है, मैं गुजरात से हूँ। मेरे उम्र अभी 24 साल की है, मेरा फिगर 34-28-36 है तथा कद 5 फुट 3 इंच का है। मेरा रंग […]
Full Story >>>

बुआ की सेक्सी किरायेदार की चूत मिल गई चोदने को

हैलो फ्रेंड्स, मेरा नाम अमित है, मेरी यह कहानी पिछले साल की है.. जब मैं पढ़ने के लिए अपनी दूर की बुआ के घर रहने गया था। बुआ का घर बहुत बड़ा था और उनके घर पर कई कमरे किराए […]
Full Story >>>

टैक्सी ड्राइवर से चूत चुदवा कर हिसाब चुकता किया

नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम शिखा धामी है। मैं यू पी की रहने वाली हूँ। आज मैं आप लोगों के सामने अपनी चूत चुदाई की सच्ची सेक्स कहानी हिंदी में लेकर आई हूँ। उससे पहले मैं आप लोगों को बता दूँ […]
Full Story >>>

बीवी की चूत चुदवाई गैर मर्द से-9

अब तक आपने पढ़ा.. मेरी बीवी और उसका चोदू यार डॉक्टर नंगे होकर बाथरूम में नहाते हुए चुदाई कर रहे थे। अब आगे.. मैं उनके कमरे में आने से पहले ही पहले बाहर आ गया था। नेहा की आवाज आई- […]
Full Story >>>

लव स्टोरी से सेक्स स्टोरी तक का सफ़र-1

यह सेक्स कहानी मेरे एक दोस्त की है.. आप उसकी ज़ुबानी ही सुनिए। मैं राहुल अभी 22 साल का हूँ, दिल्ली यूनिवर्सिटी से मास्टर डिग्री कर रहा हूँ। दिल्ली यूनिवर्सिटी की लड़कियाँ मुझे समझ नहीं आता है कि यह कॉलेज […]
Full Story >>>

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Sex Chat Stories

Daily updated audio sex stories.

Kambi Malayalam Kathakal

Large Collection Of Free Malayalam Sex Stories & Hot Sex Fantasies.

Delhi Sex Chat

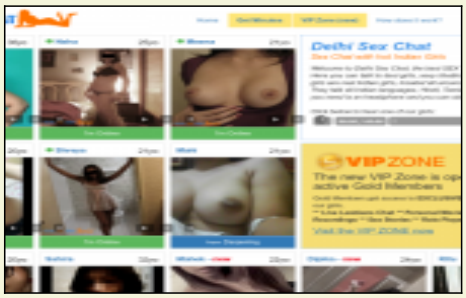

Are you in a sexual mood to have a chat with hot chicks? Then, these hot new babes from DelhiSexChat will definitely arouse your mood.

Indian Gay Site

#1 Gay Sex and Bisexual Site for Indians.

Savitha Bhabhi

Kirtu.com is the only website in the world with authentic and original adult Indian toons. It started with the very popular Savita Bhabhi who became a worldwide sensation in just a few short months. Visit the website and read the first 18 episodes of Savita Bhabhi for free.

Kinara Lane

A sex comic made especially for mobile from makers of Savita Bhabhi!

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire